1928 से लेकर अब तक, दादा ध्यानचंद और बलबीर सिंह सीनियर से लेकर मोहम्मद शाहिद , जफर इकबाल और 1980 मॉस्को ओलंपिक की टीम तक सभी नीली जर्सी में खेले हैं। मैं खुद 15 साल तक खेला और जब तक खेला गहरा और हल्का नीला ही जर्सी का रंग रहा है। - परगट सिंह

पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान, खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्य रहाणे

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 खेल चुके रहाणे ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। वे पिछले 3 साल से किसी भी फॉर्मेट में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। वीडियो में 38 साल के रहाणे ने भावुक होते हुए कहा कि अब उनके लिए आगे बढ़ने का यही सही समय है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पोस्ट कर रहाणे को उनके करियर के लिए बधाई दी है। विराट कोहली ने रहाणे के संन्यास पर लिखा- जिंक्स, शानदार करियर के लिए बधाई दोस्त।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 4 भारतीय मुक्केबाज फाइनल में

जूडो में अस्मिता-हर्ष और यामिनी के मेडल पक्के, नीरज जेवलिन में गोल्ड के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन भारतीय मुक्केबाज अरुंधति चौधरी, जैस्मीन लम्बोरिया, प्रीति पवार और अंकुश पंघाल ने अपने-अपने सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बना ली। इससे कम से कम 4 सिल्वर मेडल पक्के हो गए हैं। ग्लासगो अरुंधति चौधरी ने महिलाओं की 70 वेट कैटेगरी में वेल्श की रोजी एक्लेस को 4-0 से हराया। वहीं, जूडो में हर्ष सिंह मेंस 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंच गए, जबकि महिलाओं में अस्मिता डे (48 किग्रा) और यामिनी मौर्या (57) ने के फाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का कर लिया। भारत अब तक 17 पदक जीत चुका है, जिसमें 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज शामिल हैं। देर रात 12.45 बजे जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का फाइनल होगा। उनके साथ भारत के रोहित यादव और यशवीर सिंह भी चुनौती पेश करेंगे। प्रीति, जैस्मिन और अंकुश बॉक्सिंग फाइनल में : महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रीति पवार ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराया। जबकि जैस्मीन लम्बोरिया ने 57 में लेसोतो की रेप्लेंग मसेला को से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में अंकुश पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया। अंकुश ने तीनों राउंड में बढ़त बनाए रखी और फाइनल में जगह बना ली। जूडो में हर्ष और अस्मिता का कमाल: पुरुष 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के पेड्रो कार्लोस एंटुन नेटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए जूडो में दूसरा पदक पक्का कर दिया। महिला 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने स्कॉटलैंड की समर शॉ को गोल्डन स्कोर में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मुकाबला बेहद कड़ा रहा, लेकिन अतिरिक्त समय में अस्मिता ने निर्णायक अंक हासिल कर जीत दर्ज की। नीरज की गोल्ड पर नजर: जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज के सामने पाकिस्तान के मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम और श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे की चुनौती होगी। रुमेश ने क्वालिफिकेशन में 82.84 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया था, जबकि नीरज 79.61 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। नीरज अरशद: नीरज और अरशद 2016 से अब तक 11 टूर्नामेंट में आमने-सामने आ चुके हैं। इनमें 10 बार नीरज ने बाजी मारी है। अरशद की एकमात्र जीत पेरिस ओलिंपिक 2024 में आई थी, जहां उन्होंने ओलिंपिक रिकॉर्ड 92.97 मीटर के साथ गोल्ड जीता था। 90 मीटर पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर: नीरज चोपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वे 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर हैं। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में उन्होंने 87.58 मीटर के साथ गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा नीरज वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 और एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड, जबकि पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। लॉन बॉल्स में लगातार चौथी जीत: पुरुष पेयर्स स्पर्धा में दिनेश कुमार और नवनीत सिंह की भारतीय जोड़ी ने फॉकलैंड आइलैंड्स को 2-0 से हराया। टीम ने लगातार चौथी जीत दर्ज की और अब सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है। बॉक्सिंग में भारत के 6 सेमीफाइनल बाकी: बॉक्सिंग में भारत के 10 मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, इनमें से 4 ने फाइनल में जगह बना ली है। अब जदुमणि सिंह के मुकाबले शाम तक होंगे। जीत के साथ ये खिलाड़ी अपने-अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच जाएंगे। देर रात साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, लवलीना बोरगोहेन, सचिन सिवाच और नरेंद्र बरवाल भी सेमीफाइनल में उतरेंगे। टोक्यो ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन पर भी भारत की नजरें रहेंगी। वे 75 किलोग्राम वर्ग में चुनौती पेश करेंगी। आज 22 गोल्ड मेडल इवेंट्स: कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन कुल 22 गोल्ड मेडल इवेंट्स हो रहे हैं। इनमें 10 एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, 7 ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग तथा 5 जूडो स्पर्धाओं के गोल्ड मेडल मुकाबले शामिल हैं।

मरुधर क्रिकेट एकेडमी 81 से विजेता

जयपुर, 31 जुलाई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितिय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच में मरुधर क्रिकेट एकेडमी और एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 233/9 40.0 ओवर मे रन बनाये। मरुधर क्रिकेट एकेडमी की ओर से दिपक यादव ने 97 रन, सचिन गुर्जर ने 60 रन ओर तन्मय जैन ने 22 रन बनाये। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी की और से गेदबाजी करते हुए मयंक सिकरवार ने 44 रन देकर 3 विकेट, सिद्धार्थ गुर्जर ने 45 रन देकर के 3 विकेट लिया। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी बल्लेबाजी करते हुए 152/10 31.5 ओवर मे ऑल आउट हो गई। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी कि ओर बल्लेबाजी करते हुऐ विशाल शर्मा ने 55 रन, जे आर विराट शर्मा ने 23 रन बनाये। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए अंकुर सुर्मन ने 14 रन देकर के 4 विकेट, सचिन गुर्जर ने 2 रन देकर 3 रन विकेट, सौरभ सिह शेखावत ने 33 रन देकर 2 विकेट लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी 81 से विजेता हुई।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के 12 होस्ट शहरों का ऐलान

दक्षिण अफ्रीका में 8 वेन्यू, जिम्बाब्वे-नामीबिया भी मेजबान, 24 साल बाद अफ्रीका में वर्ल्ड

नई दिल्ली, 31 जुलाई। आईसीसी ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 12 मेजबान शहरों का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के 8 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। इनमें जोहानसबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, ग्केबेर्हा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन शहर होंगे। वहीं जिम्बाब्वे के हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में भी मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला जोहानसबर्ग के वांडरर्स या केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में हो सकता है। 24 साल बाद अफ्रीका में लौटेगा वनडे वर्ल्ड कप: वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी में लौट रहा है। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है। नामीबिया पहली बार किसी सीनियर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि इसी साल उसने जिम्बाब्वे के साथ मिलकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था। 54 में से 41 मैच साउथ अफ्रीका में हो सकते हैं : वर्ल्ड कप के कुल 54 मुकाबलों में से कम से कम 41 मैच साउथ अफ्रीका में खेले जाने की संभावना है। जिम्बाब्वे को 7 से 10 मुकाबलों की मेजबानी मिलेगी, जबकि नामीबिया में कम से कम तीन मैच होंगे। बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को वॉर्म-अप वेन्यू बनाया गया है। ये दोनों शहर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर की मेजबानी भी नामीबिया के साथ मिलकर कर सकते हैं। विक्टोरिया फॉल्स पहली बार बनेगा वर्ल्ड कप वेन्यू: 12 शहरों में विक्टोरिया फॉल्स नया वेन्यू है। यहां 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाया जा रहा है।

ऋषभ पंत की श्रीलंका दौरे से पहले स्पेशल तैयारी, धोनी के साथ रांची में की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत नेश्रीलंका के ख़िलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीजके लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है.28 साल के ऋषभ पंत अभी रांची में हैं, जहां वे श्रीलंका दौरे से पहले भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं.भारत का श्रीलंका दौरा 15 अगस्त से शुरू होगा. पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त के बीच गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त के बीच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा।

पूर्व भारतीय स्पनिर शहबाज नदीम ने जिम की एक फोटो शेयर की, जिसमें धोनी औरपंतभी नजर आ रहे हैं. अपने 20 साल के प्रोफेशनल क्रिकेट करियर में भारत के लिए दो टेस्ट मैच खेलने वाले नदीम ने पोस्ट के साथ लिखा कि भारतीय क्रिकेट के दो बेहतरीन फिनिशर ऋषभ पंत और एमएस धोनी पंत टेस्ट में भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर - बल्लेबाज हैं और बाएं हाथ का बल्लेबाज पंत श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने को तैयार है. पंत पछिली बार जून 2026 में एक कॉम्पिटिटिव क्रिकेट मैच खेले थे। जब भारत का मुकाबला मुल्लांपुर के नए स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ एक इकलौते टेस्ट मैच में हुआ था. हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी वाली टीम के खिलाफ मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया था।

जसप्रीत बुमराह फिटनेस टेस्ट में पास: भारत को श्रीलंका दौरे से पहले अच्छी खबर भी मिली है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह फिटनेस टेस्ट में पास हो गए हैं. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से उन्हें हरी झंडी मिल गई है.दरअसल बुमराह को फिटनेस पास करने की शर्त के साथ श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड में शामिल किया गया था. उन्हें इंग्लैंड दौरे पर चोट लगी थी. तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में उनका घुटना चोटिल हो गया था ।

भारत के बांग्लादेश दौरे पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत और बांग्लादेश के बीच सितंबर में होने वाली सीरीज पर सस्पेंस बरकरार है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने अब सरकार से गुहार लगाई है कि वह भारत से बात करे। तमीम विदेश मंत्रालय गए और दौरे के लिए सुरक्षा की गारंटी मांगी। भारत को बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने हैं। हालांकि की ओर से सीरीज पर कन्फर्मेशन आना बाकी है। सीरीज 2024 में होनी थी:दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। अब सीरीज सितंबर 2026 में कराने की बात चल रही है। हालांकि भारत की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है। सुरक्षा बड़ा इश्यू:तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरते दिखने पर सीरीज संभव:हाल ही में भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है।

रोटरी गोल्फ में डॉ. देवेंद्र कुमार बने विजेता, हरपाल सिंह उपविजेता

जयपुर, 31 जुलाई। रोटरी क्लब जयपुर गोल्फर्स द्वारा रामबाग गोल्फ आयोजित गोल्फ प्रतियोगिता में डॉ देवेंद्र कुमार ने शानदार खेल की बदौलत सबसे अधिक 17 अंक हासिल कर विजेता बने। वहीं उप विजेता हरपाल सिंह ने हैदर अली के बराबर 16 अंक होने पर बैक 6 होल के स्कोर से बाजी मारी। हैदरअली प्रथम उप विजेता रहे। डॉ देवेंद्र लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लगातार विजेता व उप विजेता रहते हुए पिछले रोटेरी गोल्फ के बेस्ट गोल्फर का खिताब जीता था। डॉ बी एम रतूड़ी भी 16 का कार्ड खेलकर 70 वर्ष बेस्ट वेटेरियन गोल्फर बने वहीं 7 अंकों के साथ बेस्ट लेडी गोल्फर डॉ अंजलि जैन बनी। 9 होल की स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली गई इस प्रतियोगिता में करीब 40 पुरुष एवं महिला रोटेरियन गोल्फर्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया। सुरेंद्र सिंह ने होल नं 2 पर पिन के 27 फिट नजदीक बाल मारकर नीयरेस्ट टू पिन के विजेता बने। स्ट्रेटेस्ट ड्राइव में लाइन से 10 फिट नजदीक मारकर रविन्द्र नाथ विजेता रहे वहीं 242 फिट लंबी ड्राइव मारकर लांगेस्टव ड्राइव का खिताब विनोद आर्य ने जीता। पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रोटेरियन डिस्ट्रीक गवर्नर श्री अरुण बगड़िया, पोस्ट डिस्ट्रीक गवर्नर आलोक काला,पूर्व न्यायाधीश एवम् रोटेरी क्लब जयपुर गोल्फर्स के अध्यक्ष रोटेरियन श्री जे.के.रांका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री हेम सिंह खंगारोत,उपाध्यक्ष बी पी मूंदड़ा, सचिव डॉक्टर अंजलि जैन, सह सचिव संदीप माथुर,कोषाध्यक्ष नरेश रावतानी द्वारा विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया।अंत में अध्यक्ष रंक साहब ने गोल्फ गोल्फ को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता कर बढ़ावा देने पर जोर दिया।

एसएचएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 31 जुलाई। अंडर 12 चैंपियंस कप में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 200 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं! कौशलेंद्र ने सर्वाधिक 50 रनों का योगदान दिया! क्रिकेट अकादमी की ओर से संचित उपाध्याय ने 5 और सौम्य प्रताप सिंह ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएचएसक्रिकेट अकादमी ने 23.3 ओवर में 204 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली! अंश चतुर्वेदी ने 62 और दिव्यांशी ने 42 रनों का योगदान दिया! कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिनव सैनी ने 2 विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच संचित उपाध्याय को चुना गया।

राजस्थान राज्य जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 की शुरुआत 2 से धौलपुर में

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में आयोजित राजस्थान राज्य जूनियर बालिका फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन जिला फुटबाल संघ धौलपुर के द्वारा आयोजित किया जा रहा है प्रतियोगिता 2अगस्त से 4 अगस्त 2026 तक धौलपुर शहर स्थित फुटबाल स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है जिसमें राजस्थान के 11 जिलों कि टीमे भाग ले रही हैंजिसमें 200 प्रतिभागी भाग ले रहे है जिला फुटबाल संघ धौलपुर के अध्यक्ष श्री गुरमीत मान व सचिव संदीप सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के आवास व्यवस्था व मैदान पर सभी तरह की तैयारी हो चुकी है। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि इस प्रतियोगिता से ही आगामी राष्ट्रीय जूनियर बालिका प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम का चयन होगा।

हॉकी इंडिया की नई नारंगी जर्सी पर विवाद

खिलाड़ियों से सलाह लेने के दावे को टीम मेंबर ने नकारा, दिग्गजों ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट में एक खिलाड़ी और हॉकी इंडिया के एक अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि जर्सी के रंगमें बदलाव को लेकर खिलाड़ियों से सलाह नहीं ली गई थी। अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को नीली जर्सी की जगह नारंगी जर्सी लॉन्च की है। इस बदलाव के बाद कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों और दिग्गजों ने नाराजगी जाहिर की है।

खिलाड़ियों से सलाह के दावे पर सवाल: हॉकी इंडिया ने विरोध के जवाब में गुरुवार को कहा कि जर्सी का रंग बदलने का फैसला खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ से सलाह-मशविरा के बाद लिया गया है। हालांकि, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में भारतीय टीम के एक खिलाड़ी के हवाले से कहा गया है कि उनसे इस संबंध में न तो राय ली गई और न ही सलाह मांगी गई।

वहीं, हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति के एक सदस्य ने भी दावा किया कि उन्हें जर्सी में बदलाव की जानकारी नहीं थी। वे ऐसी किसी आधिकारिक बैठक का हिस्सा नहीं रहे, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हुई हो। जर्सी देखकर कोई प्रेरणा नहीं मिल रही- भास्करन: 1980 ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भी सवाल उठाया है।

रासकिन्हा ने लिखा- टीम को भगवा रंग क्यों पहनाया: भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा ने इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि टीम को भगवा रंग पहनाया जाना शर्मनाक है । प्रियंका गांधी ने भी नई जर्सी आलोचना की: कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से नारंगी किए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की पहचान अहिंसा, सत्य और भाईचारे जैसे मूल्यों से जुड़ी है और इन्हें बदला नहीं जा सकता।

इटली के दिग्गज फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का निधन

फुटबॉल वर्ल्डप के तीनों मेडल जीतने वाले इकलौती खिलाड़ी

नई दिल्ली, 31 जुलाई। इटली के महान फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का 66 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार थे। बारेसी ने गुरुवार को मिलान के ह्यूमनिटास डि रोजानो क्लिनिक में अंतिम सांस ली। अगस्त 2025 में फेफड़ों में गांठ (पल्मोनरी नोड्यूल) हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी, जिसके बाद वे इम्यूनोथेरेपी ले रहे थे। बारेसी ने 1977 से 1997 तक अपने पूरे क्लब करियर में एसी मिलान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने मिलान के लिए 719 आधिकारिक मैच खेले और 33 गोल किए। बारेसी 15 सीजन तक टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में मिलान ने 6 सीरी ए खिताब, 3 यूईएफए चैंपियंस लीग (यूरोपियन कप), 3 यूरोपियन सुपर कप, 2 इंटरकांटिनेंटल कप और 4 इटालियन सुपर कप जीते। उनकी वफादारी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब मिलान दो बार सीरी बी में रेलिगेट हुआ, तब भी वे क्लब के साथ बने रहे। 1997 में उनके संन्यास के बाद मिलान ने उनकी जर्सी नंबर 6 को हमेशा के लिए रिटायर कर दिया। इटली के लिए वर्ल्ड कप जीत : बारेसी ने इटली की नेशनल टीम के लिए 81 मैच खेले। वे फुटबॉल इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने वर्ल्ड कप में गोल्ड (1982), सिल्वर (1994) और ब्रॉन्ज (1990) मेडल जीते हैं। 1994 के वर्ल्ड कप फाइनल में घुटने की सर्जरी के महज 25 दिन बाद उन्होंने ब्राजील के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। 1989 में वे बैलन डीओर के रनर-अप भी रहे थे। बड़े भाई ग्यूसेप बारेसी भी दिग्गज फुटबॉलर रहे: फ्रेंको बारेसी का जन्म 8 मई 1960 को इटली के ट्रावाग्लियाटो में हुआ था। उनके बड़े भाई ग्यूसेप बारेसी भी एक महान फुटबॉलर थे, जो मिलान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी इंटर मिलान के कप्तान थे। बचपन में अनाथ होने के बाद दोनों भाई इंटर मिलान के ट्रायल में गए थे, जहां ग्यूसेप को चुन लिया गया लेकिन फ्रेंको को कमजोर बताकर रिजेक्ट कर दिया गया। इसके बाद फ्रेंको ने एसी मिलान का दामन थामा और इतिहास रचा। फुटबॉल जगत ने दी श्रद्धांजलि: एसी मिलान ने अपने बयान में कहा कि क्लब का पूरा इतिहास फ्रेंको बारेसी के निधन से दुखी है। उनकी ईमानदारी और उदाहरण हमेशा क्लब के डीएनए में रहेंगे। इंटर मिलान ने भी उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे मिलान डर्बी के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक थे। जुवेंटस और नेपोली समेत इटालियन लीग ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। फरवरी 2026 में मिलानो कोर्टिना विंटर ओलंपिक खेलों के दौरान उन्हें आखिरी बार सार्वजनिक रूप से ओलंपिक मशाल ले जाते हुए देखा गया था।

श्रीलंका की दुलानी ने शतक से रचा इतिहास

पकिस्तान को टी-20 मैच में मिली छह विकेट से बुरी हार

नई दिल्ली, 31 जुलाई। पाकिस्तान की मेंस टीम जहां वेस्टइंडीज दौरे पर है,वहीं वीमेंस टीम श्रीलंका दौरे पर गईहै. वहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका की सलामी बैटरइमिशा दुलानीने बेहतरीन शतक जड़ा, जिससे उनकी टीम ने पाकिस्तान को छह विकेट से बुरी तरह हरा दिया. इमिशा दुलानी अब श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ने वाली दूसरी श्रीलंकाई महिला बैटर बन गई हैं. उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ चमारी अट्टापट्टू ही कर सकी हैं । दांबुला में खेले गए पहले टी20 मैच में पाकिस्तान की महिला टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. पाकिस्तान को उनकी कप्तान मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई. दोनों ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े. तभी मुनीबा 24 गेंद में नौ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हो गईं. उनके अलावा जुल्फिकार ने 41 गेंद में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन की पारी खेली. इन दोनों के अलावा हालांकि पाकिस्तान की कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर सकी, जिससे पाकिस्तानी टीम सात विकेट पर 176 रन ही बना सकी. श्रीलंका के लिए दो विकेट कविषा दिलहारी ने झटके. दुलानी ने ऐतिहासिक शतक से दिलाई जीत: 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका कीमहिला टीम की सलामी बैटर इमिशा दुलानीने शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश किया. दुलानी ने 64 गेंद में 17 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 101 रन की शतकीय पारी खेली. इसके चलते वह श्रीलंका के महिला क्रिकेट इतिहास में टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाली दूसरी बैटर बनीं. दुलानी के अलावा चमारी अट्टापट्टू ने भी 39 रन बनाए, जिससे श्रीलंका ने आसानी से अपने घर में 19 ओवर में ही चार विकेट पर 177 रन बनाकर पाकिस्तान को छह विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली. अब सीरीज का दूसरा टी20 मैच रविवार यानि दो अगस्त को खेला जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रत को वेटलिफ्टिंग में रजत

सीमा ने डिस्कस थ्रो में कांस्य जीता, भारत 10वें नंबर पर, 17 मेडल जीते

नई दिल्ली, 31 जुलाई। वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें दिन भारत को सिल्वर मेडल दिला दिया है। वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा कालीरमन ने ब्रॉन्ज हासिल किया।

लवप्रीत ने गुरुवार देर रात वेटलिफ्टिंग की 110 वेट कैटेगरी में 388 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 176 और क्लीन एंड जर्क में 212 किलो वजन उठाकर मेडल अपने नाम किया। दूसरी ओर सीमा ने अपने तीसरे प्रयास में 58.65 मीटर डिस्कस थ्रो किया। उनके ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारत के 17 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

लवप्रीत महज एक किलो वेट से गोल्ड चूके: लवप्रीत ने स्नैच में 176 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वे गोल्ड मेडल जीतने के बेहद करीब थे, लेकिन न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयूज से महज एक किलो के अंतर से पिछड़ गए। न्यूजीलैंड के लिटी ने क्लीन एंड जर्क में गेम्स रिकॉर्ड के साथ कुल 389 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 166 और क्लीन एंड जर्क में 223 किग्रा वजन उठाया। इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ ने 356 किलो (165 191) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

खेतों में काम किया, दादा के साथ सब्जियां बेचीं : लवप्रीत सिंह का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसीलिए वे खेतों में काम करते थे, दादा के साथ सब्जियां बेचते थे। लवप्रीत घर की उस घोड़ी की देखभाल भी करते थे, जिसे शादी समारोहों में किराए पर भेजा जाता था। पिता दर्जी थे, लेकिन उन्होंने बेटे को सिलाई के काम में लगाने के बजाय खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

13 साल की उम्र में मिली नई दिशा : 13 साल की उम्र में लवप्रीत ने गांव के कुछ युवाओं को वेटलिफ्टिंग करते देखा। यहीं से इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ा। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्थानीय कोच की देखरेख में अभ्यास शुरू किया। साल 2017 में उन्हें पटियाला के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल कैंप में जगह मिली। यहीं से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू हुआ।

मां बनने के बाद सीमा की वापसी: 27 साल की सीमा कालीरमन ने मां बनने के बाद गेम्स में शानदार वापसी की है। सीमा ने अपने चौथे, पांचवें और छठे प्रयास में फाउल किया, लेकिन 58.65 मीटर के थ्रो ने उन्हें पोडियम तक पहुंचा दिया। इस इवेंट में जमैका की सामंथा हॉल (61.66 मीटर) ने गोल्ड और कनाडा की जूलिया टंक्स (60.67 मीटर) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत की निधि रानी 53.19 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। चोट के कारण तीन साल खेल से दूर रहीं: खेल के साथ सीमा भिवानी के चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में भी कर रही हैं। घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा, लेकिन लंबी रिहैबिलिटेशन के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं सीमा ने 2025 साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। 2026 में उन्होंने 59.73 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो दर्ज किया। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई।